

UGC NET PAPER 2 NOVEMBER 05, 2017 SHIFT 1 PALI QUESTION PAPER

Note : This paper contains fifty (50) objective type questions of two (2) marks each. All questions are compulsory.

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बह-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

9. द्वितीय अन्त है :
- (1) कामेसुमिच्छाचारो
 - (2) कामेसुकामसुखलिलकानुयोगो
 - (3) अत्तकिलमथानुयोगो
 - (4) दुक्करकारिकानुयोगो
10. पिसुना वाचा (चुगली) इसके अन्तर्गत आती है :
- (1) चूलसील
 - (2) महासील
 - (3) मञ्ज्ञमसील
 - (4) पञ्चसील
11. 'मिच्छत्तनियता धम्मा' क्या हैं ?
- (1) द्वादस अकुसल-चित्त
 - (2) पञ्च आनन्दरिकानि कम्मानि
 - (3) अपरियापत्र माग्गा च मग्गफलानि
 - (4) तीणि संयोजनानि - सक्कायदिट्ठि विचिकिच्छा सीलब्बतपरामासो
12. 'रूपारूपविभाग' इनके द्वारा लिखा गया है :
- (1) बुद्धदत्त
 - (2) बुद्धघोस
 - (3) धम्मपाल
 - (4) अनिरुद्ध
13. रूप-ज्ञान के पाँचवें स्तर पर 'एकगता' इससे सम्प्रयुक्त है ?
- (1) वितक्क
 - (2) विचार
 - (3) पीति
 - (4) उपेक्षा
14. अभिधम्म में 'परमत्थ' की संख्या है :
- (1) 07
 - (2) 05
 - (3) 04
 - (4) 03
15. 'निब्बान' सम्बन्धित इससे है :
- (1) अप्पच्या
 - (2) आरम्मणं
 - (3) सहेतुकं
 - (4) सप्पच्या
16. 'यो सो, अब्भन्तरे वातो जीवो पविसति च निक्खमति च सो 'नागसेनो' ति मञ्जामीति'-यह कथन इनका है :
- (1) नागसेन
 - (2) मिलिन्द
 - (3) अनन्तकाय
 - (4) आयुपाल
17. को न पटिसन्दहती, ति ? इसका उत्तर यह है :
- (1) सकिलेसो
 - (2) निक्कलेसो
 - (3) गिहद्वो
 - (4) अगारिको

18. The view of Makkhali Gosāla is :

- (1) atthi kusalākusalāni Kammāni
- (2) Paṭhavī, lokam pāleti' ti
- (3) Atthi sukatadukkaṭānam phalam vipāko' ti
- (4) Natthi kusalākusalāni kammāni

19. The characteristic of “saññā” is this :

- | | |
|--------------------------|-------------------------|
| (1) Cetayita - Lakkhaṇā | (2) Vijānana - Lakkhaṇā |
| (3) Sañjānana - Lakkhaṇā | (4) Appanā - Lakkhaṇā |

20. The meaning of “Purimā koṭī” is :

- | | |
|-----------------------|-------------------------|
| (1) Atīto addhā | (2) Anāgato addhā |
| (3) Paccuppanno addhā | (4) Sabbakālika - addhā |

21. The author of the Mahāvamsa was so much infatuated with the deeds of king Dutthagāmaṇī that he devoted several chapters in this regard. The exact number of chapters happen to be :

- | | | | |
|---------|------------|------------|--------------|
| (1) Ten | (2) Eleven | (3) Twelve | (4) Thirteen |
|---------|------------|------------|--------------|

22. Among the monks who accompanied Thera Mahinda to Sri Lanka for propagation of Buddhism, the last one was :

- | | | | |
|----------------|-------------|------------|------------|
| (1) Bhaddasāla | (2) Sambala | (3) Uttiya | (4) Ittiya |
|----------------|-------------|------------|------------|

23. The senior monk (Thera) who was sent to Kaśamīra and Gandhāra for propagation of Buddhism after the 3rd Buddhist Council, was :

- | | |
|-------------------------------|-----------------------|
| (1) Thera Mahādeva | (2) Thera Rakkhita |
| (3) Thera Yona Dhammarakkhita | (4) Thera majjhantika |

24. The Twenty first chapter of the Mahāvamsa deals with the reigns of all those kings who flourished between Devānaṁppiya Tissa and Dutthagāmaṇī. The exact number of kings was :

- | | | | |
|-----------|---------|----------|----------|
| (1) Seven | (2) Six | (3) Five | (4) Four |
|-----------|---------|----------|----------|

18. मक्खलि गोसाल का मत यह है :

- (1) अथि कुसलाकुसलानि कम्मानि
- (2) पठवी, लोकं पालेति' ति
- (3) अथि सुकतदुक्कटानं फलं विपाको' ति
- (4) नत्थि कुसलाकुसलानि कम्मानि

19. 'सञ्जा' का यह लक्खण है :

- | | |
|----------------------|---------------------|
| (1) चेतयित - लक्खणा | (2) विजानन - लक्खणा |
| (3) सञ्जानन - लक्खणा | (4) अप्पना - लक्खणा |

20. "पुरिमा कोटि" से तात्पर्य है :

- | | |
|----------------------|-----------------------|
| (1) अतीतो अद्धा | (2) अनागतो अद्धा |
| (3) पचुप्पन्नो अद्धा | (4) सब्बकालिक - अद्धा |

21. महावंस के रचनाकार दुट्टगामणी के कार्यों पर इतना ज्यादा मोहित थे कि उन्होंने उन पर कई परिच्छेद रच डाले। उन परिच्छेदों की संख्या है :

- | | | | |
|--------|------------|----------|----------|
| (1) दस | (2) ग्यारह | (3) बारह | (4) तेरह |
|--------|------------|----------|----------|

22. उन भिक्खुओं में से जो थेर महिन्द के साथ श्रीलंका बौद्ध धर्म के प्रचार के लिये गये, उनमें अन्तिम थे :

- | | | | |
|-------------|-----------|------------|------------|
| (1) भद्रसाल | (2) सम्बल | (3) उत्तिय | (4) इट्रिय |
|-------------|-----------|------------|------------|

23. तृतीय संगीति की समाप्ति पर बौद्ध धर्म के प्रचार के लिये कश्मीर और गंधार जिस थेर भिक्खु को भेजा गया, उनका नाम था :

- | | |
|------------------------|---------------------|
| (1) थेर महादेव | (2) थेर रक्षित |
| (3) थेर योन धम्मरक्षित | (4) थेर मञ्ज्ञन्तिक |

24. महावंस के इक्कीसवें परिच्छेद में उन सभी राजाओं के शासनकालों का वर्णन है, जो देवानंप्पिय तिसा और दुट्टगामणी के मध्य में अस्तित्व में आये। उन राजाओं की संख्या थी :

- | | | | |
|---------|--------|----------|---------|
| (1) सात | (2) छः | (3) पाँच | (4) चार |
|---------|--------|----------|---------|

25. “दत्वा सहस्रं दीपेतुं दीपवंसं समादिसि” यह कथन विस्तारित महावंस (अथवा चूल्वंस) के 38 वें परिच्छेद में आता है। जिस राजा ने यह आज्ञा दी, उसका नाम था :

- | | |
|--------------------|---------------------|
| (1) राजा धातुसेन | (2) राजा महासेन |
| (3) राजा वट्टगामणी | (4) राजा दुट्टगामणी |

26. यह रचना बुद्धदत्त ने नहीं लिखी है :

- | | |
|------------------|-------------------|
| (1) विनयविनिच्छय | (2) उत्तरविनिच्छय |
| (3) परमत्थदीपनी | (4) रूपारूपविभाग |

27. यह युग्म जो सही नहीं है :

- | |
|-------------------------------|
| (1) चुल्लवग्ग - समन्तपासादिका |
| (2) थेरीगाथा - परमत्थजोतिका |
| (3) पुगलपञ्जति - परमत्थदीपनी |
| (4) मज्जिमनिकाय - पपञ्चसूदनी |

28. यह युग्म सही है :

- | | |
|--------------------------------|-------------------------------|
| (1) अपदान - सद्धम्पप्कासिनी | (2) विभङ्ग - परमत्थदीपनी |
| (3) विमानवत्थु - सद्धम्पजोतिका | (4) सुत्तनिपात - परमत्थजोतिका |

29. परमत्थजोतिका अट्टकथा इनके द्वारा लिखी गयी :

- | | | | |
|------------|------------|--------------|---------------|
| (1) महानाम | (2) धम्पाल | (3) बुद्धधोस | (4) बुद्धदत्त |
|------------|------------|--------------|---------------|

30. वेठदीपक था :

- | |
|---|
| (1) एक ब्राह्मणों का गांव जिस के मुखिया ने बुद्ध के अवशेषों में आठवें भाग का दावा किया। |
| (2) एक देवपुत्र जो बुद्ध को महापरिनिष्वान की संध्या पर मिलने आया था। |
| (3) एक बोधिसत्त जिस ने सील पारमिता का पालन किया था। |
| (4) एक बोधिसत्त जो ब्रह्मलोक में रहता था। |

31. ‘विदूनगं’ पद का विग्रह है :

- | | |
|-----------------|------------------|
| (1) विदु + उनगं | (2) विदूनं + अगं |
| (3) विदू + नगं | (4) विदून + गं |

Find the correct answer from the following code :

- | | | | | |
|-----|------------|------------|------------|------------|
| | (a) | (b) | (c) | (d) |
| (1) | (iv) | (iii) | (ii) | (i) |
| (2) | (iii) | (ii) | (i) | (iv) |
| (3) | (iv) | (i) | (iii) | (ii) |
| (4) | (i) | (iii) | (ii) | (iv) |

32. 'अभ्युगतो' शब्द में यह सन्धि है :
 (1) सर (2) व्यञ्जन (3) निगहीत (4) वोमिस्सक

33. 'सये च' इस सुत्त से सन्धि का यह उदाहरण है :
 (1) पन मे (2) सो मुनि (3) यज्ञेवं (4) संयोगो

34. 'किङ्कृतो' पद में यह सन्धि है :
 (1) सर (2) व्यञ्जन (3) निगहीत (4) वोमिस्सक

35. पालि में व्यञ्जनों की संख्या है :
 (1) 25 (2) 33 (3) 41 (4) 43

36. मृत्यु के पश्चात् बुद्ध की माँ माया इस रूप में पैदा हुई :
 (1) ब्रह्मलोक में एक देवता (2) ब्रह्मलोक में एक यक्षी
 (3) तुसित में एक देवता (4) तुसित में एक यक्षी

37. अशोक के किस अभिलेख में उनकी तिरतन में श्रद्धा के साक्ष्य मिलते हैं ?
 (1) निगलीसागर अभिलेख (2) भाबू अभिलेख
 (3) रूमिनदई अभिलेख (4) मास्की अभिलेख

38. निम्नलिखित वग्गों में से कौन सा वग्ग धर्मपद का भाग नहीं है ?
 (1) पण्डितवग्ग (2) ब्राह्मणवग्ग
 (3) अरहन्तवग्ग (4) बोधिवग्ग

39. तालिका - I की इकाइयों को तालिका - II की इकाइयों से मिलाएँ :

तालिका - I	तालिका - II
(a) तेभातिक जटिल	(i) वेसाली
(b) अम्बपालि	(ii) द्वारवती
(c) सुप्पबुद्ध	(iii) देवदह
(d) अंधकवेण्हुदासपुत्र	(iv) गया धर्मखेत

 निम्न कूट में से सही उत्तर बताइए :
 (a) (b) (c) (d)
 (1) (iv) (iii) (ii) (i)
 (2) (iii) (ii) (i) (iv)
 (3) (iv) (i) (iii) (ii)
 (4) (i) (iii) (ii) (iv)

40. The birth place of Buddhadatta was :
- (1) Uragapur (2) Nāgapur (3) Kānpur (4) Morāṇḍakhetā
41. According to the Mahāparinibbāna Sutta, this kind of behaviour towards women has **not** been dwelt upon :
- (1) Adassanam̄ (2) Sallāpo
 (3) Anālāpo (4) Sati Upatthāpetabbā
42. This is the example of sutta ‘Kattari ca’ :
- (1) Rañño Pāsāde pādehi (2) Samaṇassa rocate saccam̄
 (3) Upajjhāyā sikkham̄ gaṇhāti (4) Kaṇhā Gāvīnam̄ sampannakhīratamā
43. This is **not** included in the Paramitas ?
- (1) Dānapāramī (2) Nekkhammapāramī
 (3) Paññāpāramī (4) Karuṇāpāramī
44. Match the items in List - I with the items in List - II :
- | List - I | List - II |
|------------------|-----------|
| (a) Cariyāpiṭaka | (i) 10 |
| (b) Dhammapada | (ii) 547 |
| (c) Jātaka | (iii) 423 |
| (d) Yamaka | (iv) 35 |
- Find the **correct** answer from the following code :
- (a) (b) (c) (d)
- (1) (ii) (i) (iv) (iii)
 (2) (iii) (ii) (i) (iv)
 (3) (iv) (iii) (ii) (i)
 (4) (i) (iv) (iii) (ii)
45. Which of the following words is applied for an Arahant ?
- (1) Asekha (2) Sotāpanna (3) Sakadāgāmī (4) Anāgāmī

40. बद्धदत्त का जन्मस्थान यह था :

- (1) उरगपुर (2) नागपुर (3) कानपुर (4) मोरण्डखेट

41 महापरिनिष्ठानसत् के अनुसार स्त्रियों के साथ इस प्रकार के व्यवहार की बात नहीं कही गई है :

42. 'कर्रि च' सत्र का यह उदाहरण हैः

४३ पारमिताओं में यह परिगणित नहीं है :

44. तालिका - I की डकाइयों को तालिका - II की डकाइयों से मिलाएँ :

- | | | | |
|-----|-----------|-------|-----|
| (a) | चर्यापिटक | (i) | 10 |
| (b) | धम्मपद | (ii) | 547 |
| (c) | जातक | (iii) | 423 |
| (d) | यमक | (iv) | 35 |

इन कट में से सही उत्तर बताइए :

- | | | | |
|----------------|------------|------------|------------|
| (a) | (b) | (c) | (d) |
| (1) (ii) | (i) | (iv) | (iii) |
| (2) (iii) | (ii) | (i) | (iv) |
| (3) (iv) | (iii) | (ii) | (i) |
| (4) (i) | (iv) | (iii) | (ii) |

45. एक अरहत के लिए अधोलिखित शब्दों में से कौन-सा शब्द प्रयुक्त होता है ?

- (1) असेख (2) सोतापन्न (3) सकदागामी (4) अनागामी

46. Which of the following groups is **correct** in order ?

- (1) Sammādiṭṭhi, Sammāvācā, Sammākammanto
- (2) Kāmacchanda, Thīnamiddha, Uddhacca
- (3) Sakkāyadiṭṭhi, Vicikicchā, Sīlabbataparāmāsa
- (4) Vitakka, Pīti, Ekaggatā

47. Match an item in **List - I** with an item of **List - II** :

List - I	List - II
(a) Sīlabbataparāmāsa	(i) Mahābhūta
(b) Kāmacchanda	(ii) Jhānaṅga
(c) Vicāra	(iii) Samyojana
(d) Āpo	(iv) Nīvaraṇa

and find the **correct** answer from the following code :

- | | | | | |
|-----|-------|-------|-------|-------|
| (a) | (b) | (c) | (d) | |
| (1) | (iv) | (ii) | (i) | (iii) |
| (2) | (iii) | (iv) | (ii) | (i) |
| (3) | (ii) | (i) | (iii) | (iv) |
| (4) | (i) | (iii) | (iv) | (ii) |

48. In the Pubbayoga kathā of the Milindapañho, at the time of Lord Kassapa near which river is there the reference to Bhikkhusaṅgha ?

- (1) Yamunā
- (2) Sarayu
- (3) Sarasvatī
- (4) Gaṅgā

49. Which one is **not** Kusala Cetasika, is ?

- (1) Saddhā
- (2) Kāyamudutā
- (3) Middha
- (4) Cittalahutā

50. Nāma-rūpa arises from :

- (1) Viññāṇa
- (2) Taṇhā
- (3) Saṅkhāra
- (4) Vedanā

46. क्रमबद्ध रूप में कौन-सा समूह सही है ?

- (1) सम्मादिद्वि, सम्मावाचा, सम्माकम्मन्तो
- (2) कामच्छन्द, थीनमिद्वि, उद्धर्च्च
- (3) सक्कायदिद्वि, विचिकिच्छा, सीलब्बतपरामास
- (4) वितक्क, पीति, एकगगता

47. तालिका - I को तालिका - II से मिलाइए :

तालिका - I

- (a) सीलब्बतपरामास
- (b) कामच्छन्द
- (c) विचार
- (d) आपो

तालिका - II

- (i) महाभूत
- (ii) ज्ञानङ्ग
- (iii) संयोजन
- (iv) नीवरण

और निम्नलिखित में सही कूट-युग्म का चयन कीजिए।

(a) (b) (c) (d)

- (1) (iv) (ii) (i) (iii)
- (2) (iii) (iv) (ii) (i)
- (3) (ii) (i) (iii) (iv)
- (4) (i) (iii) (iv) (ii)

48. मिलिन्दपञ्चो के पुब्योग कथा में कस्सप भगवान् के समय किस नदी के समीप में भिक्खुसंघ का उल्लेख है :

- (1) यमुना
- (2) सरयु
- (3) सरस्वती
- (4) गङ्गा

49. जो कुसल चेतासिक नहीं है, वह है :

- (1) सद्घा
- (2) कायमुदुता
- (3) मिद्वि
- (4) चित्तलहुता

50. 'नाम-रूप' इससे उत्पन्न होता है :

- (1) विज्ञान
- (2) तण्हा
- (3) सङ्खार
- (4) वेदना